कोटा जिला प्रशासन, कोटा, राजस्थान एवं कोटा छात्र कल्याण सोसायटी द्वारा आयोजित "कोटा कार्निवल" के अवसर पर भाषण

---

2 फरवरी, 2020, कोटा

मेरे लिए यह बहुत हर्ष और गर्व का विषय है कि मेरे अपने राज्य के अपने शहर कोटा में कोटा कार्निवल का आयोजन किया गया है। इस कार्निवल में यहां के छात्रगण, कोटा के उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों में पढ़े वे बच्चे, जो देश के विभिन्न प्रोफेशनल कॉलेजों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं या कर चुके हैं आज इसका हिस्सा बने हैं। इतनी भारी संख्या में आज आप सबकी उपस्थिति को देखकर मुझे अपने शहर कोटा के लिए गौरव का एहसास हो रहा है।

आप सभी का मेरी ओर से और संपूर्ण कोटा शहर की ओर से हार्दिक स्वागत है। कोटा को 'शिक्षा की काशी' भी कहा जाता है। इस पवित्र ज्ञान की नगरी में आप सभी के पधारने से मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। कोटा शहर एक ऐसा शहर है जिसमें पूरे देश के विद्यार्थीगण आकर मेडिकल और इंजीनियरिंग सहित अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी हेतु शिक्षा ग्रहण करते हैं और अपने करियर का निर्माण करते हुए देश के भविष्य का निर्माण करते हैं।

लाखों की संख्या में छात्र-छात्राएं आज यहां उपस्थित हैं। मैं जब आप लोगों को देखता हूँ, मुझे अटक से लेकर कटक तक और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सारा भारत एक साथ दिखाई देता है। आज मेरा कोटा शहर एक "मिनी भारत" बन गया है।

आज इस कार्निवल में अलग-अलग रंग में, अलग-अलग ड्रेस में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग एक साथ 'फन रन' में सम्मिलित हुए हैं, कितना खूबसूरत रंगा-बिरंगा नजारा है, मानो भारत एक गुलदस्ते की तरह है जिसमें तरह-तरह के फूल सजे हुए हैं और सभी की अपनी महक है। सभी की अपनी खूबसूरती है और सबने मिलकर हमारी अद्भुत सांस्कृतिक विविधता को एक पहचान दी है।

आज सभी लोग मिलकर एक साथ यहां इस कार्निवल में हिस्सा ले रहे हैं। 'फन रन' सांकेतिक है। परंतु इसके व्यापक आयाम हैं। असल में, जो भावनात्मक एकता हमारे दिलों में हैं, उसका जीता-जागता सबूत यह आयोजन है, जिसका हिस्सा बन कर मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। आज 'कोटा कार्निवल' भावनात्मक मिलन का सुखद कार्यक्रम बन गया है।

मित्रो, पढाई-लिखाई के साथ-साथ पाठ्येत्तर गतिविधियां, मौज-मस्ती और मनोरंजन बहुत जरूरी है। उत्सव हमारे जीवन में विविध रंग भरते हैं। संगीत और नृत्य समारोहों के साथ-साथ ऐसे उत्सव आपके अंदर नई ऊर्जा और जोश का संचार करते हैं। वास्तव में, ऐसे उत्सव 'स्ट्रेस बस्टर' का काम करते हैं ।

इस 'फन रन' से एक ओर हम यह भी संदेश दे रहे हैं कि आप युवाओं को फिट रहना है। शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से। आपको जीवन को उत्सव की तरह जीना है। जितना आप खुश रहेंगे उतनी ही सकारात्मकता आपमें आएगी। यह सकारात्मकता आपको जीवन में रचनात्मक कार्यों को करने की प्रेरणा देगी।

संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम हम सबमें नई और सृजनात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। राजस्थान की भूमि तो वैसे ही सांस्कृतिक रूप से उत्कृष्ट है और पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है।

मुझे विश्वास है कि कोटा कार्निवल हमारे शहर को और भी अधिक लोकप्रिय बनाने और छात्रों को इसकी ओर आकर्षित करने में सहायक होगा। यह हमारे शहर को एक अलग पहचान देगा और पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

आज का यह कोटा कार्निवल सिर्फ भारत की एकता का ही प्रतीक नहीं है, हमारी युवा शक्ति को भी प्रतिबिंबित करता है। आप युवाओं के ऊपर भारत का भविष्य निर्भर है और मुझे पूरा विश्वास है कि अपने उत्साह, शक्ति और समर्पण से आप भारत को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आपकी ऊर्जा, आपकी सफल भागीदारी हमारे लोकतंत्र के लिए एक शुभ संकेत है।

लोग कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, पर मैं कहता हूँ कि युवा देश का वर्त्तमान हैं और देश का स्वर्णिम भविष्य बनाना उनके हाथों में है। गरीबी को समाप्त करने से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने तक, दुनिया का भविष्य युवा वर्ग के हाथों में है। शासन में युवा महत्वपूर्ण सहभागी हैं और उनके पास विकास के एजेंडे को परिवर्तन के एजेंट के रूप में आगे ले जाने की क्षमता है।

युवावस्था ही जीवन काल का एक सबसे श्रेष्ठ समय होता है। जो युवा इस श्रेष्ठ समय की कीमत को समझते हैं वो ही संसार में परिवर्तन लाते हैं और समाज को दिशा देते हैं। युवा एक ऐसे वर्ग विशेष का नाम है जो अक्षय ऊर्जा प्रवाहित करने वाला दिव्य स्रोत तो है ही, साथ ही साथ राष्ट्र, समाज, सभ्यता व संस्कृति की दशा व दिशा तय करने वाला केन्द्र भी है।

इतिहास साक्षी है कि आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक जितने भी संघर्ष व आंदोलन हुए हैं, युवकों, विशेषकर छात्रों की भूमिका सर्वोच्च रही है और युवक ही संघर्ष के आधार बने हैं। अनेकानेक विचारकों ने युवा शक्ति को राष्ट्र के शक्ति के रूप में देखा और इन्हें राष्ट्र के नव-निर्माण के साधन के रूप में स्वीकारा भी है।

जगद्गुरू शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद जी हों या आजादी के मतवाले शहीद राजगुरू, सुखदेव और भगत सिंह हों या अंतरिक्ष में पहुंचने वाले राकेश शर्मा व कल्पना चावला या खेल जगत में नाम कमाने वाली पी.टी. ऊषा हो या सचिन तेंदुलकर हो, अगर आप सबके जीवन को देखेंगे तो सभी ने युवावस्था में ही अपनी शक्ति को दिशा देकर अपना, अपने परिवार का एवं अपने समाज और देश का नाम ऊंचा किया।

आप युवाओं में इस प्रकार का जो सामाजिक सरोकार देखने को मिलता है वह आपकी व्यापक सामाजिक दृष्टि का परिणाम है। इन परिस्थितियों में युवा शक्ति नेतृत्व की चर्चा आज भी प्रासंगिक है।

आज युवाओं ने जहाँ एक ओर राजनीति में अपनी सक्रिय सहभागिता को दर्ज किया है, वही दूसरी तरफ सामाजिक चुनौतियों को भी उतनी ही तत्परता से स्वीकार किया है। मैं जब संसद में आए युवा सांसदों को देखता हूं, उनको अपना विषय पूरे विश्वास और गंभीरता से रखते देखता हूँ, तो मुझे अपार हर्ष होता है और मैं आशा और उत्साह

से भर जाता हूँ। मुझे विश्वास हो जाता है कि भारत का मानव संसाधन दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। हमें असेंबली और संसद में अधिक युवाओं, महिलाओं और पुरुषों दोनों की ज़रुरत है। युवाओं के सपने बड़े होते हैं। उनकी उड़ान भी बड़ी होती है।

देश की दशा और दिशा को सही मार्ग प्रदान करने का काम युवा वर्ग का है। जब-जब देश पर संकट आया है, जब-जब देश को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, तब-तब युवाओं ने अपनी असीम शक्ति से मुसीबत का प्रतिरोध किया है। उन्होंने सत्य, धर्म, न्याय, सामूहिकता, एकता, समरसता और सौहार्द के सन्मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत एक युवा देश है। अक्सर यह बात होती है कि हमारे देश की जनसंख्या अधिक है परंतु इसका एक दूसरा पक्ष यह भी है कि हमारी इस जनसंख्या में 54 करोड़ युवा हैं जो हमारी राष्ट्रीय शक्ति की पहचान हैं। इन 54 करोड़ युवाओं के विचारों की एकता निश्चय ही भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने में सक्षम होगी।

आप लोग हमारे डेमोग्राफिक डिविडेंड हो। हर चेहरे पर एक मुस्कान लाना, उनको गरीबी से मुक्त कराना और भारत को एक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनाना हम सब का सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। यह ही हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

शास्त्रों में वर्णित है – "चरैवेति। चरैवेति।" चलते रहो, चलते रहो। चलते रहने से ही जीवन चलता रहता है। जीवन चलने का नाम है। चलने से ही मंजिल मिलती है। आप सभी लोग आज जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, इसमें आपकी अपनी जीवन यात्रा ही तो है। यह आपकी मेहनत ही तो है जिसने आपको आज कामयाब बनाया है। परंतु इस मेहनत में आपके अभिभावक और गुरूजनों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए आपको उन सबका सम्मान करना चाहिए।

हमारे देश की परम्परा रही है कि हमारे यहाँ गुरू और माता-पिता को ईश्वर का दर्जा दिया गया है। कठिन से कठिन परिस्थिति में भी हर अभिभावक अपने बालकों को श्रेष्ठ सुविधाएं देने का प्रयास करता है। अपने लिए कमी करके भी अपने बच्चों को किसी भी वस्तु की कमी नहीं होने देता, ऐसा सभी अभिभावकों का विचार स्वाभाविक रूप से होता है।

आपके माता-पिता ने आपको यहाँ पढ़ने भेजा और यहाँ शिक्षण संस्थाओं में उच्च कोटि के शिक्षकों ने आपको जो शिक्षण-प्रशिक्षण दिया, वो आपकी सफलता की नींव बना। इसके लिए मैं यहाँ कोटा शहर के सभी कोचिंग संस्थाओं को भी बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

इस वर्ष हम महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का हथियार बनाकर पूरी दुनिया को संघर्ष का एक नया रास्ता दिखाया। सच्चाई के रास्ते पर चलते हुए एक व्यक्ति की आत्मशक्ति जब इतना प्रभाव डाल सकती है तो प्यारे साथियों, आप सब मिलकर उत्साहपूर्वक सच्चाई के रास्ते पर चलेंगे तो परिवर्तन स्वयं दिखेंगे।

गांधी जी से सीखने वाली एक और बात है और वह है समय का उचित उपयोग। युवाओं को सफलता पाने के लिए यह बहुत जरूरी है। यदि आप लोकसभा की कार्यवाही देख रहे हैं, तो आप जानते होंगे कि अध्यक्ष बनने के बाद, मैंने सदन के समय का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास किया है।

हम अपनी संसद को लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। संसद देश की जनता का प्रतिनिधित्व करती है। लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर बोलना संसद सदस्यों की जिम्मेदारी है। इसलिए, मैंने यह सुनिश्चित किया है कि जो कोई भी सदस्य सदन में अपनी बात रखना चाहता है, जन सरोकार के मुद्दे उठाना चाहता है, उसे बोलने का अवसर मिले।

मैं चाहता हूं कि आप अपने जीवन में भी अपने लिए और राष्ट्र के बेहतर भविष्य के लिए समय का उचित प्रबंधन करें। यदि समय का उचित प्रबंधन नहीं होगा और युवा शक्ति का उचित नियमन नहीं होगा, तो फिर रास्ते से भटकने का खतरा भी है। यही खतरा है जो कभी–कभी युवाओं को दिशाहीन बना देता है। यही भटकाव न जाने कितने युवाओं को ड्रग्स, नशा, दुराचार जैसी आदतों की ओर भी मोड़ देता है। मगर यही ऊर्जा नकारात्मक न होकर यदि सकारात्मक रूप धारण कर ले, तो फिर इसके चमत्कारिक परिणाम देखने को मिलते हैं।

वर्तमान पीढ़ी के युवा टेक्नोसेवी हैं। हमारे जेनरेशन के लोग तो इलेक्ट्रॉनिक साधनों के इस्तेमाल में पीछे छूट जाते हैं। युवा पीढ़ी बहुत आगे है। सूचना-तकनीक ने हमारे जीवन में निश्चित ही एक नया अध्याय जोडा है। इंटरनेट की ताकत ने पूरी दुनिया को एक सूत्र में समेटकर रख दिया है। पर मैं आप सबको इस बात से आगाह भी करना चाहता हूँ कि सूचना तकनीक की इस तिलिस्मी दुनिया को अपने ऊपर हावी न होने दें। इसे लत में न बदलें। आप इसे संचालित करें। कहीं ऐसा न हो कि ये आपको संचालित करने लगे।

सिर्फ इतना ही नहीं, सूचनाओं के अथाह सागर से मोती चुनकर निकालने के लिए नीर-क्षीर विवेक आवश्यक है और आपको अपने अंदर वही गुण विकसित करना है। वरना यह वरदान पलक झपकते अभिशाप में भी बदल सकता है।

आप वो हैं, जो आपकी सोच ने बनाया है इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं। जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।

अन्त में, मैं यह विश्वास व्यक्त करता हूँ कि कोटा कार्निवल 'शिक्षा की काशी' को एक विशिष्ट पहचान देगा, और इस शहर की विविधता तथा विशालता को सामने लाएगा। यह छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने वाला एक तनाव-रहित मनोरंजन मंच प्रदान करेगा। इसे मनोरंजक माहौल में छात्रों को तनाव मुक्त रखने के लिए तैयार किया गया है।

पहले, गोवा और सिंगापुर जैसे शहर ऐसे आयोजनों की मेजबानी करते थे। अब, कोटा कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मैं इस पहल के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना करता हूं। कार्निवल में टैलेंट हंट, डांस और सिंगिंग के इवेंट को भी शामिल किया गया है। मुझे यकीन है कि आप सभी इस आयोजन में रोमांच, भोजन, नृत्य और संगीत आदि का आनंद लेंगे।

अभी तक कोटा के स्टूडेंट्स कॅरियर या एकेडमिक फेयर में एक दूसरे से मिल पाते थे। यह पहली बार होगा जब किसी फन एक्टिविटी में स्टूडेंट्स एक दूसरे से मिलेंगे। मुझे बताया गया है कि इवेंट के अगले एडिशन में स्पोर्ट्स एक्टिविटी को शामिल किया जाएगा। इस साल समय की कमी को देखते हुए स्पोर्ट्स को शामिल नहीं किया गया है।

मैं यहाँ उपस्थित सभी बच्चों, उनके अभिभावकों और कोटा कार्निवल के आयोजनकर्ताओं तथा जिला प्रशासन को पुन: हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि इस आयोजन से राष्ट्रीय एकता और युवा शक्ति का एक दृढ़ संदेश लोगों तक जाएगा और यहाँ आए सभी लोगों के लिए यह आयोजन एक अविस्मरणीय पल होगा।

मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे राजस्थान के कोटा शहर में बिताए यह पल हमेशा आप सभी की स्मृति में रहेंगे। दूर-दूर से आए लोग यहाँ के आतिथ्य, संस्कृति तथा सुरूचिपूर्ण भोजन का भी आनंद लेंगे।

इस कार्यक्रम में आए समस्त छात्र-छात्राओं एवं मेहमानों को तो आनंद आया ही होगा पर मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि मेज़बानों ने भी इसका भरपूर आनंद उठाया होगा। मैं इस सफल कार्यक्रम के लिए आप सभी को पुनः बहुत-बहुत बधाई देते हुए अभिनंदन करता हूँ।